7 HISTORY

The scheme of examination will be as follows:

Scheme:

Maximum Marks 200		Minimum Pass Marks 72
Paper I	3 hrs. Duration	Marks 100
Paper II	3 hrs. Duration	Marks 100

Note: There shall be two papers in all in the subject of History, and each paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each paper shall consist of two parts. Part I shall carry 40 marks and shall consist of two compulsory questions. The first compulsory question will be of 20 marks, comprising of 10 very short answer type questions of two marks each. The answer to each question should not exceed 20 words.

The second compulsory question will be of 20 marks. It will comprise of 10 short answer type questions of 04 marks each, the candidate will be required to answer any 05 questions. The answer to each question should not exceed 50 words.

The second part of the question paper shall be divided into three sections comprising of 06 essay type questions, containing 02 questions from each section, of 20 marks each. Candidate will be required to answer 03 questions, selecting one question from each section. This part of the question paper shall be of 60 marks.

परीक्षा योजना :

अधिकतम अंक 200		न्यूनतम उत्तीर्णांक 72
प्रथम प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100

नोट . इतिहास विषय के कुल दो प्रश्नपत्र होगे, प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं 100 अंकों का होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। प्रथम भाग 40 अंको का होगा एवं इस भाग में दो अनिवार्य प्रश्न होंगे। 20 अंकों के प्रथम अनिवार्य प्रश्न में, दो–दो अंक के 10 अनिवार्य अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 20 शब्द।

20 अंकों के द्वितीय अनिवार्य प्रश्न में, चार–चार अंकों के 10 लघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द।

प्रश्नपत्र के द्वितिय भाग में, पाठ्यक्रम के तीन खण्डों में से, प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल 06 निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का होगा। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्न हल करने होंगे। प्रश्नपत्र का यह भाग 60 अंको का होगा।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

PAPER I : HISTORY OF INDIA (FROM THE BEGINNING UPTO 1200 A. D.)

Section - A

Main sources of the history of India upto 1200 A.D. A brief survey of Prehistoric ultures in India. The Indus-Saraswati civilization – origin, extent, salient features, ecline and continuity. The Vedic age – Vedic literature, polity, society, economy and eligion. A brief survey of Iron age cultures in India. Rise of Janapadas and Iahajanapadas – monarchies and republics. Rise of Magadhan imperialism upto the Iandas. Jainism and Buddhism – origins, teachings, contribution.

Section – B

The Mauryan empire – main sources. Chandragupta Maurya and Aśoka. śoka's Dhamma – its nature and propagation. Mauryan state and administration, xciety and economy, art and architecture. Decline of the Mauryas. The post-Mauryan eriod (c. 200 B.C. to 300 A.D.) – achievements of the Sungas, Satavahanas, Sakas and ushanas. Social, Religious and Economic life and development of literature and arts uring the post-Mauryan period. The Sangam age – literature, society, economy, and ilture.

Section - C

The Gupta empire – achievements of Samudragupta, Chandragupta II kramaditya, Skandagupta. State and administrative institutions. Social and onomic Life. Religious thought and institutions. Developments in literature, arts and ences. Post-Gupta period upto 750 A.D. – achievements of the Vardhanas, Chalukyas d Pallavas. Tripartite Struggle. The Imperial Cholas and their achievements. A dy of social and economic changes and a brief survey of cultural life during the iod c. 750 to 1200 A. D.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रथम प्रश्नपत्र : भारत का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

खण्ड – क

1200 ईस्वी तक भारत के इतिहास के मुख्य स्रोत। भारत की प्रागैतिहासिक संस्कृतियों का संक्षिप्त सर्वेक्षण। सिन्धु–सरस्वती सभ्यता – उद्गम, विस्तार, प्रमुख विशेषताएँ, पतन एवं निरंतरता। वैदिक युग – वैदिक साहित्य, राजशासन, समाज, अर्थव्यवस्था एवं धर्म। भारत की लौहयुगीन संस्कृतियों का संक्षिप्त सर्वेक्षण। जनपदों एवं महाजनपदों का उदय – राजतंत्र एवं गणतंत्र। नंद वंश तक मागध साम्राज्यवाद का उत्कर्ष। जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म – उद्गम, शिक्षाएं, योगदान।

खण्ड – ख

मौर्य साम्राज्य– मुख्य स्रोत। चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक। अशोक का धम्म – इसकी प्रकृति एवं प्रचार। मौर्यकालीन राज्य एवं प्रशासन, समाज एवं अर्थव्यवस्था, कला एवं स्थापत्य। मौर्यों का पतन। मौर्योत्तर काल (लगभग 200 ई. पू. से 300 ईस्वी) – शुंगों, सातवाहनों, शकों एवं कुषाणों की उपलब्धियाँ। मौर्योत्तर काल में सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक जीवन, तथा साहित्य एवं कलाओं का विकास। संगम युग – साहित्य, समाज, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति।

खण्ड – ग

गुप्त साम्राज्य – समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य, स्कंदगुप्त की उपलब्धियाँ। राज्य एवं प्रशासनिक संस्थाएँ। सामाजिक एवं आर्थिक जीवन। धार्मिक विचार एवं संस्थाएँ। साहित्य, कला एवं विज्ञान का विकास। 750 ईस्वी तक गुप्तोत्तर काल – वर्धनों, चालुक्यों एवं पल्लवों की उपलब्धियाँ। त्रि–राज्यीय संघर्ष। साम्राज्यवादी चोल एवं उनकी उपलब्धियाँ। 750 से 1200 ईस्वी के काल में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तनों का अध्ययन तथा सांस्कृतिक जीवन का संक्षिप्त सर्वेक्षण।

Books Recommended (अनुशंसित पुस्तकें) :

H. D. Sankalia	:	*Prehistory of India*, Munshiram Manoharlal, New Delhi, 1977
Dilip K. Chakrabarti	:	*India : An Archaeological History (Pelaeolithic Beginnings to Early Historic Foundations)*, Oxford University Press, New Delhi, 1999
B. B. Lal	:	*India 1947-1997 : New Light on the Indus Civilisation*, Delhi, 1998
R.K. Mookerji	:	*Chandragupta Maurya and His Times*, Delhi, 1952 (also in Hindi)
	:	*Aśoka*, Delhi, 1972 (also in Hindi)
B. N. Puri	:	*India under the Kushanas*, Bombay, 1965

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

R.C. Majumdar & Altekar	:	*The Vakataka-Gupta Age* (also in Hindi)
Baij Nath Sharma	:	*Harsha & his times*, Varanasi, 1970
K.A.N. Sastri	:	(Ed.) *Age of the Nandas & Mauryas* (also in Hindi)
	:	*A History of South India* (also in Hindi)
	:	*The Cholas* (also in Hindi)
Romila Thapar	:	*A History of India*, Vol I, Penguin, 1966 (also in Hindi)
	:	*Aśoka & the Decline of the Mauryas*, 3rd impression, Delhi, 1999
Upinder Singh	:	*A History of Ancient and Early Medieval India* (From the Stone Age to the 12th Century), Pearson Longman, Delhi, 2009
वेदुला जायसवाल	:	*भारतीय इतिहास का नव–प्रस्तर युग*, दिल्ली, 1992
के. के. थपल्याल एवं एस.पी. शुक्ला	:	*सिन्धु सभ्यता*, लखनऊ, 1$76
मदन मोहन सिंह	:	*बुद्धकालीन समाज और धर्म*, पटना, 1972
पी.एल. गुप्ता	:	*गुप्त साम्राज्य*
विशुद्धानन्द पाठक	:	*उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास*, लखनऊ, 1990
लराम श्रीवास्तव	:	*दक्षिण भारत का इतिहास*, वाराणसी, 1968
के.सी. श्रीवास्तव	:	*प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति*, इलाहाबाद

PAPER II : HISTORY OF RAJASTHAN (FROM EARLIEST TIMES TO 1956 A.D.)

Section - A

A survey of the sources of the history of Rajasthan. Palaeolithic and Mesolithic ltures in Rajasthan. Extent and characteristics of Chalcolithic and Copper age ltures (Ahar, Balathal, Ganeshwar). Characteristics of Kalibangan culture. Matsya lapada and Republican Tribes in Rajasthan. Origin of Rajputs. Rise and expansion of hilas, Gurjara-Pratiharas and Chahamanas.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Section – B

Rajput resistance to Muslim incursions in Rajasthan. Mewar under Maharana Kumbha and Sanga. Maharana Pratap's struggle for independence. Chandrasen's efforts for freedom. Contribution of Sawai Jai Singh. A brief survey of the main features of the society and culture in Rajasthan (1200-1750 A.D.). Meera and Dadu. Art and architecture – fort architecture, temples.

Section – C

Maratha incursions in Rajasthan and their impact. Acceptance of British suzerainty and its consequences. Administrative and Judicial changes after 1818 A. D. Social changes – Prohibition of Female Infanticide and Sati. Economic changes – Land Revenue Settlements. British monopoly of Salt and Opium Trade. Outbreak of 1857 in Rajasthan. Influence of Arya Samaj in Rajasthan. A brief survey of Peasant Movements and Tribal Movements. Formation of Praja Mandals and Freedom Struggle in Rajasthan. Integration of the States of Rajasthan.

द्वितीय प्रश्नपत्र : राजस्थान का इतिहास (आरंभिक काल से 1956 ईस्वी तक)

खण्ड – क

राजस्थान के इतिहास के स्रोतों का सर्वेक्षण। राजस्थान में पुरापाषाणकालीन एवं मध्यपाषाणकालीन संस्कृतियाँ। ताम्रपाषाणिक एवं ताम्रयुगीन संस्कृतियों का विस्तार एवं विशेषताएँ (आहाड़, बालाथल, गणेश्वर)। कालीबंगा संस्कृति की विशेषताएं। राजस्थान में मत्स्य जनपद एवं गणतांत्रिक जातियाँ। राजपूतों का उदय। गुहिलों, गुर्जर–प्रतिहारों एवं चाहमानों का उत्कर्ष एवं विस्तार।

खण्ड – ख

राजस्थान में मुस्लिम आक्रमणों का राजपूत प्रतिरोध। महाराणा कुंभा एवं सांगा के अधीन मेवाड। महाराणा प्रताप का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष। स्वातंत्र्य के लिए चंद्रसेन के प्रयास। सवाई जयसिंह का प्रदान। राजस्थान में समाज एवं संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का संक्षिप्त सर्वेक्षण (1200–1750 ईस्वी)। मीरां एवं दादू। कला एवं स्थापत्य – दुर्ग स्थापत्य, मंदिर।

खण्ड – ग

राजस्थान में मराठा आक्रमण एवं उनका प्रभाव। ब्रिटिश प्रभुत्व का स्वीकार एवं इसके परिणाम। 1818 ईस्वी के पश्चात् प्रशासनिक एवं न्यायिक परिवर्तन। सामाजिक परिवर्तन – कन्या–शिशु वध एव सती प्रतिबन्ध। आर्थिक परिवर्तन – भू राजस्व बंदोबस्त। नमक एवं अफीम व्यापार पर ब्रिटिश एकाधिकार। राजस्थान में 1857 का विप्लव। राजस्थान में आर्य समाज का प्रभाव। कृषक आन्दोलनों एव जनजातीय आन्दोलनों का एक संक्षिप्त सर्वेक्षण। राजस्थान में प्रजामंडलों का गठन एवं स्वाधीनता संघर्ष। राजस्थान के राज्यों का एकीकरण।

Raj [signature]

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

...mmended (अनुशंसित पुस्तकें) :

ashrath Sharma	:	*Rajasthan through the Ages*, Vol. I, Bikaner, 1966
	:	*Early Chauhan Dynasties*, Delhi, 1975
N. Sharma	:	*Rajasthan through the Ages*, Vol. II
	:	*Mewar and the Mughal Emperors*
	:	*Social Life in Medieval Rajasthan*
. S. Jain	:	*Rajasthan through the Ages*, Vol. III
	:	*Surplus to Subsistence*, Delhi, 1994
	:	*Concise History of Modern Rajasthan*
C. Shukla	:	*Early History of Rajasthan*, Delhi, 1978
N. Puri	:	*The History of the Gurjara-Pratiharas*, Delhi, 1975
anta Rani Sharma	:	*Society and Culture in Rajasthan c. A.D. 700-900*, Delhi, 1996
. Bhatnagar	:	*Life & Times of Sawai Jai Singh* (also in Hindi)
N. Misra	:	*Rajasthan : Prehistoric and Early Historic Foundations*, Aryan Books International, New Delhi, 2007
D. Sankalia *et al*	:	*Excavations at Ahar* (Tambavati), 1961-62, Deccan College, Poona, 1969
ia Hooja	:	*A History of Rajasthan*, Rupa & Co., New Delhi, 2006
	:	*The Ahar Culture and Beyond*, Oxford, 1988.
नाथ शर्मा	:	*राजस्थान का इतिहास*, आगरा
	:	*राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास*, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
	:	*राजस्थान के इतिहास के स्रोत*, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
ानन्द पाठक	:	*उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास*, लखनऊ
स. जैन	:	*आधुनिक राजस्थान का इतिहास*, जयपुर
साद व्यास	:	*आधुनिक राजस्थान का वृहत् इतिहास*, खण्ड I एवं खण्ड II, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

****

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

7: HISTORY

The scheme of examination will be as follows:

Scheme:

Maximum Marks 200		Minimum Pass Marks 72
Paper I	3 hrs. Duration	Marks 100
Paper II	3 hrs. Duration	Marks 100

Note: There shall be two papers in all in the subject of History, and each paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each paper shall consist of two parts. Part I shall carry 40 marks and shall consist of two compulsory questions. The first compulsory question will be of 20 marks, comprising of 10 very short answer type questions of two marks each. The answer to each question should not exceed 20 words.

The second compulsory question will be of 20 marks. It will comprise of 10 short answer type questions of 04 marks each, the candidate will be required to answer any 05 questions. The answer to each question should not exceed 50 words.

The second part of the question paper shall be divided into three sections comprising of 06 essay type questions, containing 02 questions from each section, of 20 marks each. Candidate will be required to answer 03 questions, selecting one question from each section. This part of the question paper shall be of 60 marks.

परीक्षा योजना :

अधिकतम अंक 200		न्यूनतम उत्तीर्णांक 72
प्रथम प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100

नोट : इतिहास विषय के कुल दो प्रश्नपत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं 100 अंकों का होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। प्रथम भाग 40 अंको का होगा एवं इस भाग में दो अनिवार्य प्रश्न होंगे। 20 अंकों के प्रथम अनिवार्य प्रश्न में, दो–दो अंक के 10 अनिवार्य अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 20 शब्द।

20 अंकों के द्वितीय अनिवार्य प्रश्न में, चार–चार अकों के 10 लघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द।

प्रश्नपत्र के द्वितीय भाग मे, पाठ्यक्रम के तीन खण्डों में से, प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल 06 निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का होगा। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में से क्रम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्न हल करने होंगे। प्रश्नपत्र का यह भाग 60 अंको का होगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

PAPER I : HISTORY OF MEDIEVAL INDIA (c. 1200–1761 A. D)

Section – A

A survey of the sources of the period of Delhi Sultanate. Turkish invasions and Rajput resistance. Establishment and consolidation of Delhi Sultanate. Khalji imperialism and Tughlaq innovations. Growth of Provincial kingdoms. Contribution of Bahamani and Vijayanagar kingdoms.

Section – B

A. survey of the sources of the Mughal period. Foundations of the Mughal Empire. Rise of Sher Shah Suri and his administration. Expansion and consolidation of the Mughal empire under Akbar. Role of Nur Jahan 'Junta' in Mughal politics. Mughal policy towards Rajputs, Sikhs, Deccan kingdom, Marathas, Persia and Central Asia. Religious policy of the Mughals. Rise of Shivaji and expansion of the Marathas upto 1761. Fall of the Mughal Empire.

Section – C

A critical evaluation of the main features and processes of the polity, society, economy and culture during medieval times (c. 1200-1761 A.D). Nature of State. Growth of administrative and agrarian systems. Economy : agriculture, industry, trade, banking, urban centres. Society . social classes - ulema, nobility, peasantry, slavery. Status of women. Bhakti Movement, Maharashtra Dharma, Sufism, Sikhism. Developments in art, architecture, and literature. Efforts at cultural synthesis and growth of composite culture.

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रथम प्रश्नपत्र : मध्यकालीन भारत का इतिहास (1200–1761 ईस्वी)

खण्ड – क

दिल्ली सल्तनत के काल के स्रोतों का सर्वेक्षण। तुर्की आक्रमण एवं राजपूत प्रतिरोध। दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं सुदृढीकरण। खलजी साम्राज्यवाद एवं तुगलकी नवप्रवर्तन। प्रांतीय राज्यों का उदय। बहमनी एवं विजयनगर राज्यों का योगदान।

खण्ड – ख

मुगल काल के स्रोतों का सर्वेक्षण। मुगल साम्राज्य की स्थापना। शेरशाह सूरी का उत्कर्ष एवं उसका प्रशासन। अकबर के अधीन मुगल साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण। मुगल राजनीति में नूरजहाँ 'जुन्ता' की भूमिका। राजपूतों, सिक्खों, दक्कनी राज्यों, मराठों, फारस एवं मध्य एशिया के प्रति मुगलों की नीति। मुगलों की धार्मिक नीति। शिवाजी का उत्कर्ष तथा 1761 ईस्वी तक मराठों का विस्तार। मुगल साम्राज्य का पतन।

खण्ड – ग

मध्यकाल (1200 से 1761 ईस्वी) में राजशासन, समाज, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन। राज्य की प्रकृति । प्रशासनिक एवं कृषिपरक व्यवस्थाओं का विकास। अर्थव्यवस्था : कृषि, उद्योग, व्यापार, बैंकिंग, नगरीय केन्द्र। समाज : सामाजिक वर्ग – उलेमा, कुलीन वर्ग, कृषक वर्ग, दासप्रथा। स्त्रियों की स्थिति। भक्ति आंदोलन, महाराष्ट्र धर्म, सूफीवाद, सिक्ख धर्म। कला, स्थापत्य एवं साहित्य की प्रगति। सांस्कृतिक समन्वय हेतु प्रयास एवं सम्मिश्र संस्कृति का विकास।

Books Recommended (अनुशंसित पुस्तकें) :

K. S. Lal	:	*History of the Khaljis*, Allahabad, 1960.
	:	*Theory and Practice of Muslim State in India*, Delhi, 1999
Hermann Kulke (ed.)	:	*The State in India, 1000-1700 A.D.*, Delhi, 1997
A. Mahdi Husain	:	*The Tughlaq Dynasty.*
	:	*The Rise and Fall of Muhammad Bin Tughlaq*
Satish Chandra	:	*Medieval India – From Sultanate to the Mughals, Part I, : Delhi Sultanate (1205-1526), Part II; Mughal Empire : (1526-1748)* Delhi, 1997 (also in Hindi).
K. M. Ashraf	:	*Life and Conditions of the People of Hindustan (1200-1550 A.D)*, Delhi, 1970.
R. P. Tripathi	:	*Rise and Fall of the Mughal Empire* (also in Hindi), Allahabad, 1963
	:	*Some Aspects of Muslim Administration*, Allahabad, 1964

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Tapan Raychaudhuri & Irfan Habib (ed.)		*Cambridge Economic History of India*, Vol. I, c. 1200-1750 A.D., Delhi, 1984
John F. Richards		*The Mughal Empire*, Delhi,1993
Jadunath Sarkar		*Mughal Administation*, Delhi, 1972
Irfan Habib		*Agrarian System of Mughal India, 1526-1707*, Mumbai, 1963
S. R. Sharma	:	*Religious Policy of the Mughal Empire* (also in Hindi), Agra, 1972
Burton Stein	:	*Vijayanagar*, 1989
"	:	*Peasant State and Society in Medieval South India*, Delhi, 1980
H.K. Sherwani	:	*The Bahamani Kingdom*
G. S. Sardesai	:	*New History of the Marathas*, Vol. I
A. L. Srivastava	:	*Medieval Indian Culture* (also in Hindi), Agra, 1964
राधेशरण		*मध्यकालीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास*, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2000
राधेशरण		*मध्यकालीन भारत की सांस्कृतिक संरचना*, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1998
झारखण्ड चौबे एवं कन्हैयालाल श्रीवास्तव		*मध्ययुगीन भारतीय समाज एवं संस्कृति*, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनऊ, चतुर्थ संस्करण, 2005
सतीश चन्द्र	:	*मध्यकालीन भारत : सल्तनत से मुगलों तक*, *भाग एक -- दिल्ली सल्तनत (1206–1526)*, भाग दो – *मुगल सल्तनत (1526–1748)*
हरिश्चंद्र वर्मा (स.)	:	*मध्यकालीन भारत, भाग–1 (750–1540), भाग –2 (1540–1761)*, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली
ए.एल. श्रीवास्तव		*मध्यकालीन भारतीय संस्कृति* (अनुवाद)
घनश्याम दत्त शर्मा	:	*मध्यकालीन भारतीय सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक संस्थाएं* राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

PAPER II . MAIN TRENDS IN THE CULTURAL HISTORY OF INDIA

Section – A

Meaning of Culture. Essence and characteristics of Indian Culture. Religion and Culture : Vedic religion, Buddhism and Jainism, Vaishnavism and Saivism. Bhakti Movement. Islam and Sufism in India. Philosophy and Culture : Upanishadic thought, Bhagvadgita.

Section – B

Literature and Culture : significance of Ramayana, Mahabharata and Puranas. Contribution of Kalidas, Tulsidas, and Ravindranath Tagore. Social Institutions and Culture : Social ideals of ancient India - *varna, ashrama, samskaras, purushartha*. Social Reform Movements of the 19th and 20th centuries.

Section – C

Art and Culture : Characteristics of Indian Art. Styles of temple architecture. A brief study of temples at Abu, Khajuraho, Orissa, Pallava and Chola temples. Painting through the ages - rock paintings, Ajanta paintings, Mughal painting. Science and Culture : Contributions of Aryabhatta, Varahamihira, Charaka and Susruta

द्वितीय प्रश्नपत्र : भारत के सांस्कृतिक इतिहास की मुख्य धाराएं

खण्ड – क

संस्कृति का अर्थ। भारतीय संस्कृति का प्रधान तत्त्व एवं विशेषताएँ। धर्म एवं संस्कृति : वैदिक धर्म, बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म, वैष्णव धर्म एवं शैव धर्म। भक्ति आंदोलन। भारत में इस्लाम एवं सूफी मत। दर्शन एवं संस्कृति : उपनिषदों का चिन्तन, भगवद्गीता।

खण्ड – ख

साहित्य एवं संस्कृति : रामायण, महाभारत एवं पुराणों का महत्त्व। कालिदास, तुलसीदास एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर का योगदान। सामाजिक संस्थाएं एवं संस्कृति : प्राचीन भारत के सामाजिक आदर्श – वर्ण, आश्रम, संस्कार, पुरुषार्थ। 19वीं एवं 20वीं शताब्दी के समाज–सुधार आंदोलन।

Reg / Jai

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

खण्ड - ग

कला एवं संस्कृति : भारतीय कला की विशेषताए। मंदिर स्थापत्य की शैलियाँ। आबू, खजुराहो, उड़ीसा, पल्लव एवं चोल मंदिरों का संक्षिप्त अध्ययन। काल के प्रवाह में चित्रकला – शैल चित्रकला, अजंता चित्रकला, मुगल चित्रकला। विज्ञान एवं संस्कृति – आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक एवं सुश्रुत का योगदान।

Books Recommended *(अनुशंसित पुस्तकें)* :

G. C. Pande	:	*Foundations of Indian Culture*, Vol. I and II
	:	*Meaning and Process of Culture*
R. G. Bhandarkar	:	*Vaishnavism, Saivism and other Minor Religious Systems.*
Rajbali Pandey		*Hindu Samskara (The Social and Religious Study of the Hindu Sacraments)*, (also in Hindi), Varanasi
A. L. Srivastava		*Medieval Indian Culture* (also in Hindi).
V.S. Agrawala	:	*Indian Art*, Varanasi.
Krishna Dev	:	*Temples of North India* (also in Hindi), NBT, New Delhi
K. R. Srinivasan	:	*Temples of South India* (also in Hindi), NBT, New Delhi
A. L. Basham	:	*The Wonder that was India* (also in Hindi)
	:	*The Cultural History of India* (ed.)
गोविन्दचन्द्र पाण्डे		*भारतीय परम्परा के मूल स्वर*, नई दिल्ली, 1993
		भारतीय समाज – तात्विक और ऐतिहासिक विवेचन, नई दिल्ली, 1994
एन.के. देवराज	:	*भारतीय दर्शन*, लखनऊ, 1963
राजबली पांडे	.	*हिन्दू संस्कार*, वाराणसी
जयशंकर मिश्र	.	*प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास*, पटना, 1999
ए.एल. श्रीवास्तव	:	*मध्यकालीन भारतीय संस्कृति* (अनुवाद)
वासुदेव शरण अग्रवाल	:	*भारतीय कला*
पृथ्वीकुमार अग्रवाल	.	*प्राचीन भारतीय कला एवम् वास्तु*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2002
कृष्णदेव	.	*उत्तर भारत के मंदिर*, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
के.आर. श्रीनिवासन	:	*दक्षिण भारत के मंदिर*, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
सत्य प्रकाश	.	*प्राचीन भारतीय विज्ञान की परम्परा*
ए.एल. बाशम		*अद्भुत भारत* (अनुवाद)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

S. 7 HISTORY

The scheme of examination will be as follows:

Scheme:

Maximum Marks 200		Minimum Pass Marks 72
Paper I	3 hrs. Duration	Marks 100
Paper II	3 hrs. Duration	Marks 100

Note: There shall be two papers in all in the subject of History, and each paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each paper shall consist of two parts. Part I shall carry 40 marks and shall consist of two compulsory questions. The first compulsory question will be of 20 marks, comprising of 10 very short answer type questions of two marks each. The answer to each question should not exceed 20 words.

The second compulsory question will be of 20 marks. It will comprise of 10 short answer type questions of 04 marks each, the candidate will be required to answer any 05 questions. The answer to each question should not exceed 50 words.

The second part of the question paper shall be divided into three sections comprising of 06 essay type questions, containing 02 questions from each section, of 20 marks each. Candidate will be required to answer 03 questions, selecting one question from each section. This part of the question paper shall be of 60 marks.

परीक्षा योजना।

अधिकतम अंक 200		न्यूनतम उत्तीर्णांक 72
प्रथम प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100

नोट : इतिहास विषय के कुल दो प्रश्नपत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं 100 अंकों का होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। प्रथम भाग 40 अंको का होगा एवं इस भाग में दो अनिवार्य प्रश्न होंगे। 20 अंको के प्रथम अनिवार्य प्रश्न में, दो–दो अंक के 10 अनिवार्य अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 20 शब्द।

20 अंकों के द्वितीय अनिवार्य प्रश्न में, चार–चार अंकों के 10 लघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द।

प्रश्नपत्र के द्वितीय भाग में, पाठ्यक्रम के तीन खण्डो में से, प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल 06 निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का होगा। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड मे से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्न हल करने होंगे। प्रश्नपत्र का यह भाग 60 अंक का होगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

PAPER I : HISTORY OF MODERN INDIA (1761 - 1971 A. D)

Section – A

India in the mid-eighteenth century. Maratha confederacy, its strength and weakness - clash with the British and decline of the Marathas. Expansion and consolidation of the British rule - Bengal, Mysore, Awadh, Sind and Punjab - Subsidiary Alliance and Doctrine of Lapse. Establishment of Parliamentary control over East India Company - Regulating Act and Pitt's India Act. Land revenue settlements : permanent, ryotwari and mahalwari. Popular resistance to British rule : outbreak of 1857 - causes, nature and results.

Section – B

British policy after 1858 - development of British Paramountcy. Nature of colonial economy - commercialization of agriculture, decline of cottage industries, drain of wealth and India's poverty. Indian Renaissance, its nature and scope - Socio-religious reform movements - Brahma Samaj, Arya Samaj, Ramkrishna Mission. Indian Freedom Struggle –the first phase : Emergence of Indian Nationalism, Formation of the Indian National Congress – Moderates and Extremists - Gokhale and Tilak. Economic nationalism, Swadeshi Movement. Home Rule Movement. Beginning of Muslim communalism and the Muslim League.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Section – C

Nationalism under Gandhi's leadership : Gandhi's ideology and methods - Non-cooperation, Civil Disobedience and Quit India Movements. Other strands in the National Movement : Revolutionaries, the Left (Socialists and Communists), Subhash Chandra Bose and the Indian National Army. Peasants', Workers' and Depressed Classes' Movements. Women in the National Movement. The Government of India Acts of 1909, 1919 and 1935. Communal politics and the Partition of India. Pogress and profile of Independent India (1947-1971) : Integration of States. Agrarian reforms, the concept of planned economy and industrialization. Foreign policy of independent India (1947-1971) – non-alignment and Panchsheel.

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक भारत का इतिहास (1761–1971 ईस्वी)

खण्ड – क

अठारहवीं शताब्दी के मध्य में भारत। मराठा परिसंघ, इसकी शक्ति एवं दुर्बलता – अंग्रेजों से संघर्ष एवं मराठों का पतन। ब्रिटिश शासन का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण – बंगाल, मैसूर, अवध, सिन्ध एवं पंजाब – सहायक संधियां एवं विलय का सिद्धांत। ईस्ट इंडिया कम्पनी पर संसदीय नियंत्रण की स्थापना – रेग्यूलेटिंग एक्ट एवं पिट्स इंडिया एक्ट। भू–राजस्व बन्दोबस्त : स्थायी, रय्यतवाड़ी एवं महलवाड़ी। ब्रिटिश शासन के प्रति जन प्रतिरोध : 1857 का विप्लव – कारण, प्रकृति एवं परिणाम।

खण्ड – ख

1858 के बाद ब्रिटिश नीति – ब्रिटिश सर्वोपरिता का विकास। औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था का स्वरूप – कृषि का व्यावसायीकरण, कुटीर उद्योगों का पतन, धन का निष्कासन एवं भारत की निर्धनता। भारतीय पुनर्जागरण : इसकी प्रकृति एवं क्षेत्र – सामाजिक–धार्मिक सुधार आंदोलन – ब्रह्म समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन। भारत का स्वाधीनता संग्राम – प्रथम चरण : भारतीय राष्ट्रवाद का उदय, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – नरमपंथी एवं उग्रपंथी – गोखले एवं तिलक। आर्थिक राष्ट्रवाद, स्वदेशी आंदोलन। होम रूल आंदोलन। मुस्लिम सांप्रदायिकता का उदय एवं मुस्लिम लीग।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

खण्ड – ग

गांधी के नेतृत्व में राष्ट्रवाद : गांधी की विचारधारा एवं पद्धतियाँ – असहयोग, सविनय अवज्ञा एवं भारत छोड़ो आंदोलन। राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य धाराएं : क्रांतिकारी, वामपंथी (समाजवादी एवं साम्यवादी), सुभाष चंद्र बोस एवं इंडियन नेशनल आर्मी। कृषकों, मजदूरों एवं दलित वर्गों के आंदोलन। राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाएं। वर्ष 1909, 1919 एवं 1935 के भारत सरकार अधिनियम। साम्प्रदायिक राजनीति एवं भारत का विभाजन। स्वतंत्र भारत (1947–1971) की प्रगति एवं परिदृश्य : राज्यों का एकीकरण, कृषिपरक सुधार, नियोजित अर्थव्यवस्था की अवधारणा एवं औद्योगिकीकरण। स्वतंत्र भारत की विदेश नीति (1947–1971) – गुट निरपेक्षता एवं पंचशील।

Books Recommended (अनुशंसित पुस्तकें) :

Bisheshwar Prasad :	*Bondage and Freedom, Vol. I and Vol. II*
C. A. Bayly :	*Indian Society and the Making of the British Empire,* Cambridge University Press, 1987.
Sumit Sarkar :	*Modern India, 1885-1947* , Delhi, 1995 (also in Hindi)
Bipan Chandra :	*Nationalism and Colonialism in Modern India,* Delhi, 1981
A. R. Desai :	*Peasant Struggles in India,* Delhi, 1979
Kenneth Jones :	*Social and Religious Reform Movement in Modern India,* New Cambridge History, 1989
Ravindra Kumar (ed.) :	*Social History of Modern India,* Delhi, 1983
Anil Seal :	*Emergence of Indian Nationalism,* Cambridge University Press, 1971
Ranjit Guha & Gayatri C. Spivak (ed.) :	*Selected Subaltern Studies,* Delhi, 1988
J. Krishnamurti (ed.) :	*Women in Colonial India,* Oxford University Press, 1989
एम.एस.जैन :	*आधुनिक भारत का इतिहास*
सुमित सरकार :	*आधुनिक भारत : 1885- 1947* (अनुवाद)
जगन्नाथ प्रसाद मिश्र :	*आधुनिक भारत का इतिहास,* उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
बिपिन चन्द्र एवं अन्य :	*भारत का स्वतंत्रता संग्राम* , दिल्ली, 1998
:	*आजादी के बाद का भारत (1947 2000),* दिल्ली, 2004
आर.एल. शुक्ल (सं.) :	*आधुनिक भारत का इतिहास,* हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

PAPER II : HISTORY OF MODERN WORLD (1500 - 2000 A.D)

Section - A

Renaissance and the beginning of the modern era. Reformation and Counter-Reformation. Economic changes - Feudalism to Capitalism. The American Revolution - causes, nature and consequences. The French Revolution - causes, main events, and impact. Evaluation of Napoleon Bonaparte. Industrial Revolution - causes, processes and impact.

Section – B

Rise of Nationalism in the 19th century. National unification of Germany and Italy. Age of conservatism and Revolutions of 1830 and 1848 in Europe. Growth of Imperialism and Colonialism - exploitation of New World with special reference to countries of Asia and Africa. Eastern question and its complexities for Europe. Nature of European Imperialism in China. Revolution of 1911 in China – principles of Sun-yat-sen. Modernisation of Japan in the 19th century. First World War - causes and consequences. League of Nations.

Section – C

The Russian Revolution of 1917. The Great Economic Depression and Recovery. Fascism in Italy and Nazism in Germany. Second World War. United Nations Organisation - objectives, achievements, limitations. The Chinese Revolution of 1949. Cold War. Emergence of Third World and Non-Alignment. Arab World (Egypt), South-East Asia (Vietnam), Africa – Apartheid to Democracy. Soviet Disintegration and the Unipolar World. Globalisation and its impact.

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक विश्व का इतिहास (1500–2000 ईसवी)

खण्ड – क

पुनर्जागरण एवं आधुनिक युग का प्रारंभ। धर्मसुधार आंदोलन एवं प्रति–धर्मसुधार आंदोलन। आर्थिक परिवर्तन – सामंतवाद से पूंजीवाद। अमेरिका की क्रांति – कारण, प्रकृति एवं परिणाम। फ्रांस की क्रांति – कारण, मुख्य घटनाएं एवं प्रभाव। नेपोलियन बोनापार्ट का मूल्यांकन। औद्योगिक क्रांति – कारण, प्रक्रियाएँ एवं प्रभाव।

खण्ड – ख

19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय। जर्मनी एवं इटली का राष्ट्रीय एकीकरण। रूढ़िवादिता का युग एवं यूरोप में 1830 एवं 1848 की क्रांतियाँ। साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का विकास – नव विश्व का शोषण, एशिया एवं अफ्रीका के देशों के विशेष संदर्भ में। पूर्वी समस्या एवं यूरोप के लिए उसकी जटिलताएँ। चीन में यूरोपीय साम्राज्यवाद की प्रकृति। चीन में 1911 की क्रांति – सन यात सेन के सिद्धांत। 19वीं शताब्दी में जापान का आधुनिकीकरण। प्रथम विश्व युद्ध – कारण एवं परिणाम। राष्ट्रसंघ।

खण्ड – ग

1917 की रूसी क्रांति। आर्थिक महामंदी एवं समाधान। इटली में फासीवाद एवं जर्मनी में नाजीवाद। द्वितीय विश्व–युद्ध। संयुक्त राष्ट्र संघ – उद्देश्य, उपलब्धियाँ, सीमाएं। 1949 की चीनी क्रांति। शीत–युद्ध। तृतीय विश्व का अभ्युदय एवं गुट–निरपेक्षता। अरब विश्व (मिस्र), दक्षिण–पूर्व एशिया (वियतनाम), अफ्रीका – रंगभेद से लोकतंत्र की ओर। सोवियत विघटन एवं एकध्रुवीय विश्व। भूमण्डलीकरण एवं उसका प्रभाव।

Books Recommended (अनुशंसित पुस्तकें):

A. G. Dickens	:	*The Age of Humanism and Reformation*, New Jersey, 1972
Christopher Hill	:	*From Reformation to Industrial Revolution*, Penguin, 1970
H. B. Parks	:	*The United States of America – A History*, Indian Reprint, Calcutta, 1976
Georges Lefebvre	:	*Coming of the French Revolution*, Princeton, 1989
C. D. Hazen	:	*Modern Europe to 1945*, Indian Reprint, Delhi, 1977
David Thompson	:	*Europe since Napoleon*, Penguin, 1966
George Vernadsky	:	*A History of Russia*, 1961
Harold M. Vinacke	:	*A History of the Far East in Modern Times*, Indian Reprint, Ludhiana

Raj Tai

A. J. P. Taylor		*The Origins of the Second World War*
H. A. Davies	:	*Outline History of the World*, 1968
J. E. Swain	:	*A History of World Civilisation*, Indian Reprint, New Delhi, 1994
Louis L. Synder	:	*The Making of Modern Man*, Princeton, 1967
बनारसी प्रसाद सक्सेना	:	*अमेरिका का इतिहास*, पटना, 1972
सी.डी. हेजन	:	*आधुनिक यूरोप का इतिहास* (अनुवाद), आगरा
देवेन्द्र सिंह चौहान	:	*यूरोप का इतिहास (1815–1919)*, भोपाल, 1995
जॉर्ज वर्नादस्की	:	*रूस का इतिहास* (अनुवाद), भोपाल, 1971
हेराल्ड एम. विनाके	:	*पूर्व एशिया का आधुनिक इतिहास* (अनुवाद), लखनऊ, 1982
एस.पी. पांथरी	:	*पूर्व एशिया का संक्षिप्त इतिहास, खण्ड I (19वीं शताब्दी) एवं खण्ड II (20 वीं शताब्दी)*, लखनऊ, 1973 एवं 1974
के.के. कौल		*पश्चिमी एशिया का आधुनिक इतिहास* : 1808–1973, लखनऊ, 1977
पार्थसारथि गुप्ता		*यूरोप का इतिहास*, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

I... ...trar ... U... ...Rajasthan